आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 11 | अंकः 06 | जयपुर, सोमवार 20 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

परमवीर मेजर पीरू... पेज 2

वांगचूक को ईलाज... पेज 3

दीयाकुमारी बोलीं- शेखावाटी, भरतपुर, पुष्कर भी बने वेडिंग डेस्टिनेशन

600 विदेशी प्रतिनिधियों ने जयपुर में की वेडिंग टूरिज्म पर चर्चा

जयपुर। डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने कहा- जयपुर, जोधपुर और उदयपुर डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए पहले से ही विश्व प्रसिद्ध हैं। लेकिन राजस्थान की ब्रांड पहचान को और विस्तार देने के लिए अन्य पर्यटन स्थलों को भी इस मानचित्र पर लाना आवश्यक है। शेखावाटी की हवेलियां, जैसलमेर का रेगिस्तान, बांसवाड़ा-डूंगरपुर की प्राकृतिक सुंदरता, भरतपुर का वन्यजीव और पुष्कर की धार्मिक आभा - ये सभी स्थल वेडिंग टूरिज्म के लिए बेहतरीन विकल्प बन सकते हैं। इंटरनेशनल वेडिंग एंड टूरिज्म कॉन्क्लेव (आईडब्ल्यूटीसी) सीजन-3 का रविवार को दिल्ली रोड स्थित फेयरमोंट होटल में शुभारंभ हुआ। दो दिवसीय कॉन्क्लेव में भारत और विदेशों से आए 600 से अधिक प्रतिनिधि पर्यटन, वेडिंग, हॉस्पिटैलिटी और इवेंट उद्योग के भविष्य, वैश्विक साझेदारी, डेस्टिनेशन वेडिंग्स और नए व्यावसायिक अवसरों पर मंथन कर रहे हैं।

ऑफ-सीजन में भी बढ़ें वेडिंग और पर्यटन गतिविधियां

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा- राजस्थान में पर्यटन और डेस्टिनेशन वेडिंग्स की अपार संभावनाएं हैं, लेकिन वर्तमान में अधिकांश आयोजन केवल नवंबर से अप्रैल के बीच ही केंद्रित रहते हैं। इसी दौरान पर्यटन सीजन भी चरम पर होने से होटल, परिवहन और अन्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव बनता है। अप्रैल से अक्टूबर के बीच भी अधिक से अधिक डेस्टिनेशन वेडिंग्स, कॉर्पोरेट इवेंट्स और पर्यटन आधारित कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इससे ऑफ-सीजन में भी पर्यटकों की आवाजाही बनी रहेगी, होटल उद्योग को निरंतर व्यवसाय मिलेगा, स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

दिव्यांग बेटे के लिए बनाई स्पेशल कुर्सी, राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित

स्कूलों ने एडमिशन देने से इनकार किया तो इनोवेशन किया, मिला पेटेंट

पाली। एक मां अपने बच्चे के दर्द को सबसे करीब से महसूस करती है। पाली जिले के मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र के हेमलियावास खुर्द निवासी साइकोलॉजिस्ट नेहा सोलंकी ने भी अपने बेटे की तकलीफ को अपनी ताकत बना लिया। सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बेटे के लिए उन्होंने ऐसी विशेष कुर्सी तैयार की, जिस पर दिव्यांग बच्चे बिना किसी सहारे के सुरक्षित और आरामदायक तरीके से बैठ सकें। उनके इस इनोवेशन ने उनके बेटे की जिंदगी आसान बनाई, साथ ही देशभर के विशेष बच्चों के लिए उम्मीद भी बनी हैं। अब नेहा सोलंकी का नीति आयोग के अटल इनोवेशन मिशन ने वर्ष 2026 के 'ग्रासरूट्स इनोवेटर रिकग्निशन' के लिए उनका चयन किया है। पूरे देश से चुने गए 26 इनोवेटर शख्सियतों में उन्हें स्थान मिला है। उन्हें 31 जुलाई 2026 को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी।

बेटे की बीमारी बनी प्रेरणा

जयपुर निवासी नेहा सोलंकी की करीब 15 साल पहले पाली जिले के हेमलियावास खुर्द निवासी डॉ. अभिषेक भाटी से शादी हुई। शादी के बाद बेटे के जन्म से परिवार में खुशियां आईं, लेकिन 6 महीने बाद पता चला कि उनका बेटा सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित है। नेहा बताती हैं कि इस बीमारी में मस्तिष्क का विकास होता है, लेकिन शरीर की गतिविधियों पर पूरा नियंत्रण नहीं रह पाता। बच्चे को बैठने, उठने और संतुलन बनाए रखने में काफी कठिनाई होती है। बेटे की परेशानी ने उन्हें अंदर तक झकझोर दिया और यहीं से दिव्यांग बच्चों के लिए कुछ करने का संकल्प जन्मा।

उदयपुर सांसद बोले-आदिवासी हिंदू नहीं हैं जैसी मार्केटिंग हो रही

धर्मांतरण का एक पूरा इकोसिस्टम काम कर रहा; आदिवासी इलाकों में बड़ा नेटवर्क सक्रिय

उदयपुर। आदिवासी समाज के बच्चों को गोवा से शनिवार शाम उदयपुर लाया गया। उन्हें बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) की टीम यहां लेकर पहुंची। जिसके बाद उदयपुर सांसद मन्ना लाल रावत ने अपना एक वीडियो जारी किया। रावत ने वीडियो के जरिए कहा कि बच्चों को अवैध तरीके से मानव तस्करी के लिए तमिलनाडु ले जाया जा रहा था। ऐसी घटनाएं पहले भी हुई हैं और इसकी सूचनाएं लगातार आ रही हैं। इससे साफ पता चलता है कि क्षेत्र में धर्मांतरण का एक पूरा इकोसिस्टम काम कर रहा है। आदिवासी इलाकों में बड़ा नेटवर्क सक्रिय है। सांसद रावत ने नेटवर्क का खुलासा करते हुए कहा कि ऋषभदेव थाना क्षेत्र के कानूवाड़ा में एक एफआईआर दर्ज हुई है। 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से एक व्यक्ति नेपाल का है, एक पंजाब का है। जानकारी के अनुसार नेपाल के व्यक्ति के साथ पाकिस्तानी भी था। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से भी तीन लोग इसमें जुड़े हुए थे।

उर्जा मंत्री की बैठक में बिजली गुल

मंत्री ने अधिकारियों से कहा- काम टालने की प्रवृति करें बंद, कामों की मॉनिटरिंग सही हो

कोटा। कोटा में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर की अधिकारियों के साथ चल रही बैठक में अचानक बिजली गुल हो गई। इसके चलते मंत्री जिला परिषद सभागार में करीब 6 मिनट तक अंधेरे में बैठे रहे। बाद में जनरेटर चालू कर लाइट बहाल की गई। इस बैठक में जिला परिषद के तमाम अधिकारी और कर्मचारी मौजूद थे। बैठक दोपहर करीब सवा एक बजे शुरू हुई। मीटिंग शुरू होने के कुछ ही देर बाद, जब मंत्री नागर सड़कों के निर्माण को लेकर अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे, तभी हॉल की बत्ती गुल हो गई। हालांकि, बिजली जाने के बाद भी चर्चा रुकी नहीं और जारी रही। सभागार के कर्मचारियों ने तुरंत खिड़कियों के पर्दे हटा दिए ताकि अंदर प्राकृतिक रोशनी आ सके। वहीं, बाहर मौजूद कर्मचारी जनरेटर चालू करने की मशक्कत में जुट गए। इस तरह करीब 6 मिनट तक सभागार की लाइट बंद रही। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने रविवार को जिला परिषद सभागार में सांगोद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत चल रहे विभिन्न विकास कामों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने कुछ अधिकारियों की कार्यशैली पर गहरी नाराजगी जताते हुए कहा कि काम को टालने की प्रवृत्ति को तुरंत बंद किया जाए। काम को लटकाने की जगह अधिकारी कर्मचारी तय समय पर काम को पूरा करें। विकास कार्यों की मॉनिटरिंग को मजबूत करने के लिए उन्होंने एक नया फॉर्मूला दिया। पंचायतों के

कलक्टर बनाकर जेईएन की डयूटी लगाएं इसके तहत तीन-तीन पंचायतों का क्लस्टर बनाकर जेईएन की डयूटी लगाने और ग्राम पंचायत मुख्यालय पर ही उनके बैठने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कमल कुमार मीणा समेत अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। बैठक में ऊर्जा मंत्री ने खेतों के रास्तों और श्मशान घाटों की स्थिति को लेकर विस्तार से समीक्षा की। अधिकारियों से कहा, बरसात के मौसम में किसी भी गांव से यह दुखद समाचार नहीं आना चाहिए कि तिरपाल डालकर अंतिम संस्कार करना पड़ रहा है। उन्होंने हर हाल में श्मशान तक ठीक रास्ते बनाने के लिए निर्देश दिए। मंत्री नागर ने कहा कि श्मशानों में टीन शेड की जगह पर अब आरसीसी का मॉडल अपनाया जाए, जिसमें स्लैब और सरिये का उपयोग हो।हर गांव में श्मशान की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए तुरंत सर्वे करने और जहां जरूरत हो वहां जमीन आवंटित करने के निर्देश दिए।

निर्माण कामों में नई तकनीक का हो उपयोग

मंत्री नागर ने बैठक में निर्देश दिए कि इंटरलॉकिंग और सीसी रोड के साथ पत्थर से वी-शेप की मजबूत नालियों का निर्माण किया जाए। जो नालियां 60त्न तक डैमेज हो चुकी हैं, उन्हें तोड़कर दोबारा बनाया जाए और उनमें पत्थर का उपयोग किया जाए। नागर ने अधिकारियों को लीक से हटकर सोचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि कहीं पर भी पत्थर की चारदीवारी न बनाई जाए, क्योंकि इसमें चार गुना अधिक लागत आती है और यह जल्दी खराब भी हो जाती है। इसके स्थान पर आधुनिक और नई तकनीक का प्रयोग किया जाए। इसी तरह, उन्होंने एक महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि सामुदायिक केंद्रों को भारी-भरकम बजट से आरसीसी का बनाने के बजाय 17-18 फीट ऊंचे टीन शेड लगाकर विशाल डोम के रूप में तैयार किया जाए। इससे लागत काफी कम आएगी और जगह की उपयोगिता भी अधिक हो सकेगी। बैठक के दौरान ग्रामीण विकास, पंचायती राज और सीएसआर के कामों के साथ साथ लटूरी में गोवर्धन परियोजना के तहत तैयार गोबर गैस प्लांट को लेकर भी चर्चा की गई इस प्लांट से भविष्य में गैस सिलेंडर भरवाए जाने की कार्ययोजना पर अधिकारियों से रोडमैप मांगा गया।

कोर्ट बोला- बीमार पति की देखभाल नहीं करना क्रूरता

पत्नी का व्यवहार अमानवीय, दोनों का एक छत के नीचे रहना असंभव; तलाक मंजूर

जयपुर। जयपुर में फैमिली कोर्ट ने बीमार पति की देखभाल नहीं करने को क्रूरता मानते हुए तलाक की अर्जी को मंजूर किया है। जयपुर महानगर प्रथम की फैमली कोर्ट-5 के जज अनीश दाधीच ने अपने आदेश में कहा कि पत्नी का व्यवहार पति के साथ अमानवीय रहा है। बिना किसी उचित कारण के पति से झगड़ा करना, उसके माता-पिता, भाई-भाभी के लिए

अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना, पति पर परिवार से दूर रहने का दबाव डालना और बीमारी में पति की देखभाल नहीं करना मानसिक और शारीरिक क्रूरता है। पत्नी धर्म का पालन नहीं किया। कोर्ट ने कहा- ऐसी परिस्थितियों में दोनों का एक ही छत के नीचे साथ रहकर वैवाहिक जीवन का निर्वहन करना असंभव है।

मैट्रिमोनियल साइट से हुआ था रिश्ता

मामले से जुड़े वकील दिवेश शर्मा ने बताया- जयपुर के रहने वाले आईटी प्रोफेशनल युवक और असम की रहने वाली आईटी प्रोफेशनल युवती का रिश्ता जीवन साथी डॉट कॉम (मैट्रिमोनियल साइट) से तय हुआ था।

हाईकोर्ट से शिक्षिका को राहत, वेतन रिकवरी पर लगाई रोक

विभाग ने रिटायरमेंट से पहले वार्षिक वेतन वृद्धि निरस्त करके 12 साल की रिकवरी निकाली थी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर बेंच ने रिटायरमेंट से ठीक पहले शिक्षिका के खिलाफ निकाली गई वेतन रिकवरी पर रोक लगा दी। जस्टिस आनंद शर्मा की अदालत ने यह आदेश शिक्षिका दलजीत कौर की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में कहा गया था कि साल 1993 में शिक्षिका पद पर नियुक्ति हुई थी। करीब 10 साल की सेवा पूरी करने के बाद उसे साल 2013 में नियमित करते हुए वेतन फिक्सेशन किया गया था। अब वह रिटायर होने वाली है तो शिक्षा विभाग ने उसके फिक्सेशन को गलत मानते हुए 12 साल की वार्षिक वेतन वृद्धि रद्द करते हुए उसके खिलाफ रिकवरी निकाल दी। जबकि उसका

फिक्सेशन नियमों के तहत ही किया गया था। उसे सुनवाई का मौका दिए बिना उसके खिलाफ रिकवरी के आदेश निकाल दिए गए।

सरकार ने आदेश वापस लिया तो रिकवरी निकाली

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता नगेंद्र शर्मा ने बताया- साल 2002 में सरकार ने आदेश निकाला था कि जिस शिक्षक को सेवा में 10 साल हो गए हैं, उसे प्रशिक्षित मानकर उसे नियमित करते हुए उसके वेतन का फिक्सेशन किया जाए। इसके कारण याचिकाकर्ता को साल 2013 में नियमित करते हुए फिक्सेशन का लाभ दिया गया। बाद में सरकार ने यह आदेश वापस ले लिया। ऐसे में अब जब शिक्षका रिटायर होने वाली है तो विभाग ने साल 2013 से अब तक उन्हें मिली वार्षिक वेतन वृद्धियों को रद्द कर दिया। उन्हें दिए गए वेतन की रिकवरी निकाल दी। इसे हमने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अदालत ने हमारे पक्ष को जानने के बाद शिक्षिका को अंतरिम राहत देते हुए वेतन रिकवरी आदेश पर रोक लगा दी।

मंत्री मदन दिलावर के खिलाफ लगे मुर्दाबाद के नारे

सांड के हमले में जान गंवाने वाले परिवार को सहायता नहीं मिलने पर फूटा गुस्सा

कोटा। रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के बन्दा गांव में शनिवार को शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक मदन दिलावर के दौरे के दौरान हंगामे की स्थिति बन गई। नगर निगम की गौशाला में सांड के हमले में जान गंवाने वाले गोपाल भील के परिवार को अनुकंपा सहायता दिलाने की मांग लेकर पहुंचे ग्रामीणों ने मंत्री से मुलाकात की कोशिश की। इसी दौरान एक युवक के वीडियो बनाने पर मंत्री के निजी सहायक ने आपत्ति जताई, जिसके बाद विवाद बढ़ गया और मंत्री वहां से रवाना हो गए। ग्रामीणों का आरोप है कि मंत्री ने उनकी बात सुने बिना ही कार्यक्रम स्थल छोड़ दिया। इसके बाद लोगों ने नाराजगी जताते हुए मदन दिलावर के खिलाफ नारेबाजी की और मुर्दाबाद के नारे लगाए।

ज्ञापन देने गए थे ग्रामीण

निवर्तमान उप महापौर पवन मीणा के नेतृत्व में ग्रामीण गोपाल भील के परिवार की ओर से ज्ञापन सौंपकर अनुकंपा नियुक्ति और आर्थिक सहायता की मांग करना चाहते थे। पवन मीणा ने कहा कि ग्रामीण किसी निजी हित के लिए नहीं, बल्कि पीड़ित परिवार को न्याय और नियमानुसार सरकारी सहायता दिलाने की मांग लेकर पहुंचे थे। उनका कहना है कि यह एक संवेदनशील मामला है और ऐसे मामलों में जनप्रतिनिधियों को पीड़ित परिवार की बात सुननी चाहिए। ग्रामीणों ने सरकार से गोपाल भील के परिवार को जल्द आर्थिक सहायता और आवश्यक राहत देने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक परिवार को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक वे लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध जारी रखेंगे।

हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं पर रहेगी हर तीसरे दिन नजर

मुख्य सचिव ने दिखाई सख्ती, सुरक्षित प्रसव के लिए नई रणनीति, 24 घंटे तक होगी विशेष निगरानी

जयपुर। राजस्थान में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने और हर गर्भवती महिला का सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ने स्वास्थ्य विभाग को और अधिक सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेशभर के चिकित्सा अधिकारियों, मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों की समीक्षा बैठक लेकर कहा- हर हाई रिस्क गर्भवती महिला की व्यक्तिगत निगरानी की जाए और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि सभी जिलों में उच्च जोखिम (हाई रिस्क) वाली गर्भवती महिलाओं की नामवार सूची तैयार कर उसे संबंधित एएनएम और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) से जोड़ा जाए। प्रत्येक महिला की नियमित मॉनिटरिंग हो और जरूरत पड़ने पर समय रहते उसे बड़े अस्पताल में रेफर किया जाए। उन्होंने सोमवार सुबह सभी जिलों में एएनएम की बैठक लेकर हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की समीक्षा करने के निर्देश भी दिए।

प्रसव के बाद 24 घंटे तक विशेष निगरानी

मुख्य सचिव ने कहा- अस्पतालों में प्रसव के बाद

पहले 24 घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए धात्री महिलाओं की लगातार निगरानी की जाए, उनके पोषण पर विशेष ध्यान दिया जाए और किसी भी प्रकार की जटिलता सामने आने पर तुरंत इलाज उपलब्ध कराया जाए। बैठक में लेबर रूम प्रबंधन, संक्रमण नियंत्रण, एनेस्थीसिया, बायोमेडिकल वेस्ट मैनेजमेंट, कोल्ड चेन और रेफरल सिस्टम जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि प्रदेश के सभी सरकारी अस्पताल तय स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करें, ताकि प्रसव के दौरान किसी तरह की लापरवाही न हो।

इन जिलों में सबसे अधिक हाई रिस्क गर्भवती महिलाएं

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में सामने आया कि जुलाई माह में सीकर, नागौर, जालौर, बांसवाड़ा और चूरू जिलों में सबसे अधिक हाई रिस्क गर्भवती महिलाएं चिन्हित हुई हैं। इन जिलों में विशेष निगरानी और अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि जिन गर्भवती महिलाओं का हीमोग्लोबिन 6 ग्राम या उससे कम है या जो गंभीर एनीमिया से पीड़ित हैं और उनकी डिलीवरी की तारीख नजदीक है, उन्हें समय रहते ब्लड ट्रांसफ्यूजन, एफसीएम इंजेक्शन या आयरन सुक्रोज थेरेपी उपलब्ध कराई जाए। ऐसी महिलाओं की सूची जिला स्तर पर तैयार रखी जाए और संबंधित एएनएम हर तीसरे दिन उनकी स्वास्थ्य जांच करे।

सुरक्षित प्रसव की पहले से होगी तैयारी

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा- केवल इलाज ही नहीं, बल्कि प्रसव की पूर्व योजना भी बेहद जरूरी है। गर्भवती महिला का किस अस्पताल में प्रसव होगा, जरूरत पड़ने पर रेफरल कैसे होगा और सभी जरूरी जानकारियां ममता कार्ड में स्पष्ट रूप से दर्ज हों, यह सुनिश्चित किया जाए। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि चिकित्सा विभाग की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान, उनकी नियमित निगरानी और समय पर इलाज सुनिश्चित किया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य है कि हर गर्भवती महिला को समय पर उपचार मिले, जटिलताओं की समय रहते पहचान हो और सुरक्षित संस्थागत प्रसव के माध्यम से मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सके।

प्रसूता मृत्यु प्रकरणः प्रमुख शासन सचिव के बयान का एलएचवी/एएनएम संघ राजस्थान ने किया कड़ा विरोध

दीपचंद शर्मा डीग। एलएचवी/एएनएम संघ ऑफ राजस्थान ने प्रसूता मृत्यु प्रकरण को लेकर प्रमुख शासन सचिव द्वारा दिए गए बयान पर कड़ा विरोध जताया है। संघ की जिला अध्यक्ष ममता भारद्वाज ने संयुक्त बयान जारी करते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जब भी कोई अप्रिय घटना घटित होती है, तो बिना निष्पक्ष जांच के फील्ड में कार्यरत एएनएम को ही दोषी ठहरा दिया जाता है, जो पूरी तरह अनुचित एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि एएनएम स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ हैं और वे टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, परिवार कल्याण कार्यक्रम, महिला एवं पुरुष नसबंदी, अंतराल साधनों का वितरण, मलेरिया, डेंगू एवं चिकनगुनिया नियंत्रण, विभिन्न स्वास्थ्य सर्वेक्षण, राज्य सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार, पीसीटीएस, यू-विन, लाइन लिस्टिंग, ऑनलाइन रिपोर्टिंग तथा विभिन्न मोबाइल एप्लीकेशनों पर डेटा एंट्री सहित अनेक महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन करती हैं। जिला अध्यक्ष ममता भारद्वाज ने कहा कि एएनएम कोई प्रयोगशाला तकनीशियन अथवा विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं होती, जो प्रत्येक प्रसूता की गहन चिकित्सकीय जांच कर सके। इसके बावजूद प्रत्येक घटना के लिए एएनएम को जिम्मेदार ठहराना उनके सम्मान एवं मनोबल को ठेस पहुंचाने वाला है। संघ ने मांग की कि किसी भी घटना में निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक जांच पूरी होने से पहले किसी भी एएनएम को दोषी न ठहराया जाए। प्रमुख शासन सचिव द्वारा दिए गए बयानों को तत्काल वापस लेने तथा भविष्य में इस प्रकार के बयान देने से बचने की भी मांग की गई। एलएचवी/एएनएम संघ ऑफ राजस्थान ने चेतावनी दी कि यदि एएनएम के सम्मान और हितों की अनदेखी जारी रही, तो प्रदेशभर में चरणबद्ध आंदोलन, धरना-प्रदर्शन एवं कार्य बहिष्कार किया जाएगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी शासन एवं प्रशासन की होगी।

अखाड़े में गूंजे शौर्य के जयकारेः शस्त्र पूजन के साथ छोत माता व्यायामशाला की शुरुआत

● दिव्य जनजागृति समाचार

कोटा। क्षेत्र के युवाओं को शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाने और सनातन संस्कृति की रक्षा की अनूठी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए न्यागांव, आवली रोजड़ी स्थित छोट माता व्यायामशाला अखाड़े की भव्य शुरुआत की गई। इस अवसर पर अखाड़े में विशेष शस्त्र पूजन का आयोजन किया गया, जिसमें प्राचीन परंपरा के अनुसार लाठी, तलवार, ढाल और गदा जैसे पारंपरिक शस्त्रों का विधि-विधान से पूजन कर उन्हें नमन किया गया। शस्त्र पूजन के उपरांत अखाड़े के वरिष्ठ उस्तादों और युवाओं ने माता रानी के जयकारों के साथ पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन शुरू किया। इस व्यायामशाला का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल के युवाओं को नशे और मोबाइल की लत से दूर रखकर कुश्ती, लाठी संचालन और आत्मरक्षा के गुर सिखाना है। अखाड़े के उस्तादों ने बताया कि यह व्यायामशाला क्षेत्र के युवाओं में अनुशासन, साहस और शारीरिक सौष्ठव को बढ़ाने का काम करेगी। उद्घाटन के पहले ही दिन बड़ी संख्या में स्थानीय युवाओं ने अखाड़े की मिट्टी को नमन कर नियमित अभ्यास का संकल्प लिया। इस दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य नागरिक और खेल प्रेमी उपस्थित रहे, जिन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन किया।

नवनियुक्त थाना अधिकारी जयसिंहपुरा खोर रघुवीर का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन

जयपुर। झूलेलाल सेवा समिति एवं सिंधी समाज, जयसिंहपुरा खोर के तत्वावधान में पुलिस थाना जयसिंहपुरा खोर में नवनियुक्त थाना अधिकारी रघुवीर का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। समाजसेवी दीपक धामेंजानी ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह में समिति के अध्यक्ष श्री कन्हैया लाल पारवाणी, संरक्षक देवीदास चेलानी, सलाहकार समाजसेवी दौलत त्रिलोकानी, महासचिव विजय हरलानी, कोषाध्यक्ष प्रेमचंद फुलवानी, उपाध्यक्ष करण अलवानी, गोयल प्रॉपर्टी से कृष्ण कुमार अग्रवाल, महिला मंडल अध्यक्ष निशा शर्मा, कलावती देवी, बरखा गेहानी, देवकी सुगंधानी, लता चुघानी, दीपा सुमनानी ,लता थदानी,दीपा जयसिंगनिया नंदनी धनकानी, मंदिर महंत धर्मेन्द्र महाराज ,लालपुरी गोस्वामी, सुनील गेहानी, राजू फ़लूदा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने नवनियुक्त थाना अधिकारी श्री रघुवीर जी का साफा एवं पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत किया तथा उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उनके सफल एवं उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। कार्यक्रम के अंत में समाजसेवी दीपक थानेजानी ने उपस्थित सभी अतिथियों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया।

पौधारोपण से पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जयपुर। सांगानेर के एयरपोर्ट रोड स्थित द कोरोनेशन सोसाइटी की और से आज दिनांक 19 जुलाई 26 को सोसायटी के आस पास में पौधारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोसाइटी के अध्यक्ष उमा शंकर गौतम व सचिव मुकेश केदावत ने बताया कि पर्यावरण एवं ग्लोबल वार्मिंग की हालत सुधारने के लिए सोसाइटी ने एक छोटे से प्रयास से 55 पौधों का रोपण यहां किया है साथ ही अगले 1 वर्ष तक इन पौधों की रक्षा का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में कुलदीप शर्मा , आशीष गोयल , राजीव रावत , दीपक विजय , पी सी कुमावत , रचना सक्सेना, पुरुषोत्तम नगर एवं सभी समाज जनों ने अपना योगदान दिया।

पूर्व छात्र परिषद लक्ष्मणगढ़ की बैठक संपन्न, टोली गठन एवं पूर्व छात्र पंजीयन महाअभियान को लेकर बनी योजना

लक्ष्मणगढ़ - (सीकर)। विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद द्वारा चलाए जा रहें 1 जुलाई से 15 अगस्त तक के पंजीकरण महाअभियान के अंतर्गत लक्ष्मणगढ़ में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में महाअभियान की रूपरेखा, टोली गठन तथा पूर्व छात्रों के पंजीयन अभियान को गति देने पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान अभियान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न योजनाएँ तैयार की गई। बैठक में विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद राजस्थान के क्षेत्रीय संयोजक डॉ.सुनील कुमार जांगिड़, पूर्व छात्र परिषद लक्ष्मणगढ़ के अध्यक्ष डॉ.अभिषेक पारीक, जिला सचिव सूरजभान बिजला तथा बालिका आदर्श विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य विद्याधर शर्मा, जयपुर प्रांत टोली सदस्य पार्थ शर्मा उपस्थित रहें। बैठक में सभी कार्यकर्ताओं से पंजीकरण महाअभियान के अंतर्गत अधिक से अधिक पूर्व छात्रों का पंजीयन कराने, उनसे नियमित संपर्क स्थापित करने तथा परिषद की गतिविधियों से जोड़ने का आह्वान किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

संविदा नर्सिंग कर्मियों क्रमिक अनशन जारी

जयपुर। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज जयपुर के गेट नंबर 3 पर, संविदा नर्सिंग ऑफिसर्स के क्रमिक अनशन के आज तीसरे दिन नर्सिंग ऑफिसर महेश जाट, अरुण कुमार, वसवाल, भीम सिंह,एवं आशीष शर्मा अनशन पर वैठेद्य पिछले 37 दिनों से स्वर्गीय दीपक के परिवार को सहायता एवं जयपुर सहित राज्य भर से नियम विरुद्ध हटाए गए नर्सेज को वापस सेवा में लेने के समझौते की क्रियान्विति को लेकर जारी हैद्य संयुक्त नर्सेज संघर्ष समिति के संयोजक नरेन्द्र सिंह शेखावत ,राजेंद्र राना,चन्द्रकांत शर्मा ,पवन मीना,विनीता शेखावत,गुड्डी सैनी ने कहा कि राज्य भर में रोगी संख्या वृद्धि तथा चिकित्सालयो के विस्तार के दृश्टिगत अकेले जयपुर के चिकित्सा अधीक्षकों द्वारा लगभग 1600 तथा अन्य जिलों से लगभग 8 ह?ार नवीन नर्सेज की माँग की है, ऐसे में वर्षो से कार्यरत जयपुर से 378 तथा राज्य भर से लगभग 2300 संविदा नर्सेज की अचानक नियम विरुद्ध सेवा समाप्ती कर उनकी जगह नए संविदा नर्सेज की नियुक्ति करना पूरी तरह गलत है, जिसे स्वीकार करते हुए 12 जून को पुनः सेवा में लेने का वायदा करने के वाद आज 37 दिन बाद भी सेवा वहाली की कार्यवाही पूरी नहीं जैसी घोर प्रसाशनिक अनदेखी से,सरकार की हो रही वदनामी के लिए चिकित्सा महाविद्यालयों के प्रिंसिपल चिकित्सक जिम्मेदार है।

परमवीर मेजर पीरू सिंह के शहादत दिवस पर खेलों का हुआ आयोजन

खेल को खेल की भावना से खेल खिलाड़ी..... मंगल चंद सैनी

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। बड़ागांव कस्बे के खेल स्टेडियम पर परमवीर चक्र से सम्मानित मेजर पीरू सिंह के शहादत दिवस पर विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया ।

बॉलीबॉल का ओपनिंग मैच हाँसलसर व बिशनपुरा की टीमों के बीच हुआ । कबड्डी रस्साकशी विभिन्न दौड़ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा । प्रथम स्थान पर रहने वाली टीमों को 5100/-रुपये तक का पुरस्कार दिया जाएगा ।

खेलों के शुभारंभ पर पूर्व तहसीलदार मंगल चंद सहित अतिथिगणों ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया ।

इस अवसर पर एसजीडी कालेज के निदेशक डा चंदू शर्मा एसडीआर शिक्षा हब के निदेशक एमपी महला प्रधानाचार्य राधेश्याम तानेनिया मूल चन्द गहन बड़ा गांव एसबीआई के कैलाश चन्द्र डीईओ सुरेश

भांबू सुभाष खैरवा राम निवास सिंह बाबूलाल राजोरिया मानसिंह पितराम रमेश उप प्रधानाचार्य ओ पी शर्मा उप प्रधानाचार्य घनश्याम सैनी पूर्व सरपंच राजेन्द्र सैनी सहित ग्राम के गणमान्य नागरिक व खिलाड़ी मौजूद थे ।

यातायात सुरक्षा अभियान के तहत डीग पुलिस की कार्यवाही, मॉडिफाइड साइलेंसर वाली 20 बाइकों के विरुद्ध की कार्यवाही

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा डीग। जिला पुलिस अधीक्षक श्री शरण गोपीनाथ के. के निर्देशन में आज जिले भर में यातायात सुरक्षा और ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ एक विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत सायं 5:00 बजे से 8:00 बजे तक विभिन्न थाना क्षेत्रों में मॉडिफाइड (पटाखा छोड़ने वाले) साइलेंसर लगाकर सड़कों पर हुड़दंग मचाने वाली मोटरसाइकिलों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की गई ।थानाधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में नाकाबंदी कर सघन चेकिंग अभियान चलाया। इस 3 घंटे की विशेष कार्यवाही के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 20

वाहनों के खिलाफ कार्यवाही की गई। थानावाइज मोडिफाइड साइलेंसर वाली मोटरसाइकिलों के विरुद्ध की गई कार्यवाही का विवरणः थाना पहाड़ीः 5, थाना सीकरीः4, थाना कामाः 4, थाना गोपालगढ़ः 3, थाना सदर डीगः 2, थाना कोतवाली डीगः ।, थाना कैथवाड़ाः 1 सड़कों पर मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर आमजन को परेशान करने वाले और ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले हुड़दंगियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा ताकि आम नागरिक और राहगीर सुरक्षित व शांतिपूर्ण माहौल में आवागमन कर सकें। आमजन से अपील, यातायात नियमों का पालन करें और अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अवैध मॉडिफिकेशन न करवाएं, अन्यथा उनके वाहनों को सीज कर कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता ने माता शांकम्भरी के दरबार में नवाया शीश

पंडित केदार शर्मा व सुमन शर्मा ने विधि-विधान से करवाई पूजा अर्चना

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। धार्मिक तीर्थ स्थल सकरायधाम में स्थित माता शाकम्भरी के दरबार में चल रहे गुप्त नवरात्र के पाचवें दिन रविवार को शीश नवाने के लिए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल कविन्द्र गुप्ता पहुंचे।

शाकम्भरी माता के दरबार में पहुंचने पर अंतराष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य केदार शर्मा, डॉ.सुमन शर्मा ने स्वागत सत्कार करते हुए मदनमोहन मंदिर में चल रहे शतचंडी अनुष्ठान में पूजा अर्चना करवाई।

अनुष्ठान में पूजा अर्चना के बाद प्राचीन शिवालय में रूद्राभिषेक कर माता शाकम्भरी के दरबार में विशेष पूजा अर्चना कर देश प्रदेश में खुशहाली की मनोकामना मांगी।

मंदिर परिसर में पुजारी पवन शर्मा, अंकित शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, विकास शर्मा, सज्जन शर्मा ने पूजा अर्चना करवाकर आर्शिवाद दिया। शतचंडी अनुष्ठान में पूजा अर्चना करने के लिए डीजीपी राजीव शर्मा, मध्यप्रदेश भोपाल से सांसद आलोक शर्मा, दौसा निवासी जज केशव कौशिक, विश्व हिंदू परिषद के कपिल खन्ना, वृंदा

खन्ना, वीसी एनआर विश्नोई, व्यवसायी राजेश गुप्ता, अंतराष्ट्रीय रामलीला समिति के उपाध्यक्ष वेद प्रकाश शर्मा, आईएबीएफ वाइस प्रेजिडेंट संजीव कुमार, चंदू शर्मा बड़ागांव, कविता कुमारी आदि की पंडित केदार शर्मा, डॉ.सुमन शर्मा, जगदीश शास्त्री व महावीर प्रसाद शर्मा के आचार्यत्व में 31विप्रजनों ने पूजा अर्चना करवाई। इस दौरान सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत, एएसपी डॉ.तेजपाल, सीकर सिटी एडीएम भावना शर्मा, तहसीलदार भागीरथ यादव, सीआई सुरेन्द्र सिंह देगड़ा, शाकम्भरी चौकी प्रभारी अनिल मीणा आदि मौजूद रहे।

एकता पब्लिक स्कूल में सीबीएसई क्लस्टर कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन

अंतिम दिन विजेता टीमों ने ट्रॉफी पर जमाया कब्जा, खेलों से ही युवा प्रतिभाओं में आता है निखार.....सीआई रामपाल मीणा

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/उदयपुरवाटी। किरोडी रोड स्थित एकता पब्लिक स्कूल में आयोजित की कई चार दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता के समापन समारोह पर मुख्य अतिथि उदयपुरवाटी पुलिस थाने के सीआई रामपाल मीणा थे द्य मुख्य अतिथी रामपाल मीणा ने अपने उद्बोधन में कहा कि कबड्डी का खेल अनुशासन, धैर्य और निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाता है द्य सीआई मीणा ने आगे कहा कि खेलों से ही युवा प्रतिभाओं में निखार आता है द्य सीबीएसई क्लस्टर कबड्डी XIV प्रतियोगिता का बेहद रोमांचक मुकाबलों के साथ भव्य समापन हुआ। जबकि गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में स्वामी केशवानन्द शिक्षण संस्थान भढ़ाढर के प्रिंसिपल सत्येंद्र मलिक मौजूद रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना की सराहना की। प्रतियोगिता के अंतिम दिन सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबलों में टीमों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली द्य जिसमें खिलाड़ियों ने ट्रॉफी जीतने के लिए अपना पूरा दमखम लगा दिया।

प्रतियोगिता के अंडर-14 वर्ग के सेमीफाइनल

मुकाबलों में टैगोर साइंस स्कूल कुचामन और द मॉडर्न स्कूल बाड़मेर ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई द्यवहीं दूसरे सेमीफाइनल से स्वामी केशवानन्द सीकर ने फाइनल का टिकट पक्का किया। इसके बाद हुए खिताबी मुकाबले में द मॉडर्न स्कूल बाड़मेर ने शानदार खेल दिखाते हुए स्वामी केशवानन्द सीकर को 40-28 के अंतर से हराकर चैंपियनशिप अपने नाम की। अंडर-17 वर्ग के सेमीफाइनल में एमपीएस प्रताप नगर ने द मॉडर्न स्कूल बाड़मेर को शिकस्त दी, जबकि सनराइज इंटरनेशनल नेछवा सीकर ने प्रिंस एकेडमी सीकर को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। इस वर्ग के महामुकाबले में सनराइज इंटरनेशनल नेछवा सीकर ने एमपीएस प्रताप नगर को 35-29 से हराकर खिताबी जीत दर्ज की।

इसी तरह अंडर-19 वर्ग के सेमीफाइनल मैचों में मैट्रिक्स हाई स्कूल सीकर ने स्कॉलर्स इंटरनेशनल को और एमपीएस तिलक नगर ने एसबीएस कॉन्वेंट सीकर को हराकर फाइनल का सफर तय किया। अंडर-19 के इस फाइनल महामुकाबले में एमपीएस तिलक नगर ने अपनी बादशाहत साबित करते हुए मैट्रिक्स हाई स्कूल सीकर को 47-32 के स्कोर से पराजित कर विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। समापन के अवसर पर संस्था के प्रिंसिपल विजय कुमार शर्मा एवं सीबीएसई आब्जर्वर देवव्रत शर्मा सहित स्कूल स्टाफ ने सभी विजेता और उपविजेता टीमों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। एकता पब्लिक स्कूल के चेयरमैन राव ईश्वर सिंह एवं डायरेक्टर डॉ संतोष सिरोही ने सभी का आभार व्यक्त किया द्य चार दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में एकता पब्लिक स्कूल के समस्त स्टाफ का भी व्यवस्थाओं में महत्वपूर्ण योगदान देखने को मिला।

निजी रिसोर्ट में सम्पन्न हुआ झालावाड़ साहित्यिक संवाद-2026

झालावाड़। 21वीं सदी के राजस्थान साहित्यिक आंदोलन के अंतर्गत रविवार को निजी रिजॉर्ट में आयोजित झालावाड़ साहित्यिक संवाद-2026 में वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं साहित्यकार अनिल सक्सेना ललकार ने कहा कि नई पीढ़ी को साहित्य, संस्कृति और भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ना आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि साहित्य समाज का केवल दर्पण ही नहीं, बल्कि उसका पथप्रदर्शक भी है। इसके पश्चात राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के कोटा संभाग प्रभारी किशन रतनानी ने आंदोलन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्ष 2010 में अनिल सक्सेना ललकार द्वारा प्रारंभ किया गया 21वीं सदी का राजस्थान साहित्यिक आंदोलन पिछले सोलह वर्षों से राजस्थान मीडिया एक्शन फोरम के तत्वावधान में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि आंदोलन के माध्यम से प्रदेशभर में साहित्य, संस्कृति, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा सामाजिक चेतना के संवर्धन के लिए निरंतर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। मुख्य वक्ता अनिल सक्सेना ललकार ने कहा कि आज पढ़ने की संस्कृति कमजोर हो रही है, परिवारों में संवाद कम हो रहा है और युवा अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दूर होते जा रहे हैं। तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के इस युग में भी पुस्तकों, स्वाध्याय और चिंतन का कोई विकल्प नहीं है। साहित्य व्यक्ति को संवेदनशील बनाता है, संस्कृति उसे संस्कार देती है और भारतीय ज्ञान परंपरा उसे जीवन जीने की दिशा प्रदान करती है।

चौथे हज आवेदन कैम्प में 92 हज यात्रियों के हज आवेदन

मनोहरपुर। राजस्थान हज ट्रेनर्स रिलीफ फाऊंडेशन की ओर से आवेदन हज-2027 के इच्छुक आवेदकों की सहायता लिए चौथा हज आवेदन कैम्प हज हाउस, करबला, में लगाया गया जिसमें 92 हज यात्रियों ने ओनलाइन आवेदन किये। हाजी शाहिद मौहम्मद पूर्व सदस्य राजस्थान स्टेट हज कमेटी ने बताया कि कैम्प में हज यात्रियों के ब्लड ग्रुप की जांच हाजी मौहम्मद सलाम के द्वारा कि गई। ओर ऑनलाइन आवेदन भरने का काम आसीफ हम्ज़ा खान, मौहम्मद शाहरुख, मौहम्मद जावेद, मौहम्मद ज़कि , मौहम्मद इरफान खान के द्वारा किया गया ओर हज यात्रियों के आवेदन भरने से पहले उनके कागज़ात की जांच पड़ताल का काम हाजी मोहम्मद अशफाक नक़वी, मोहम्मद साबिर, अब्दुल अज़ीज़ , अब्दुल नफिस, मौहम्मद असलम साबरी, मौहम्मद आसिफ राजा, एहसानउद्दीन, युसुफ कुरैशी के द्वारा किया गया। हाजी शाहिद मौहम्मद ने बताया कि आज के कैम्प में अमीन कागजी विधायक किशनपोल पूर्व अध्यक्ष राजस्थान स्टेट हज कमेटी,जावेद कागज़ी हाजी निज़ामुद्दीन, अख्तर रिज़वी, मोईनुद्दीन मकराना,हाजी मौहम्मद क़मर , फ़ुरकान पठान हाफिज शाकिल, मोरवी अब्दुल हमीद ने, हाजी उस्मान, मौहम्मद सलिम महाराज आदि ने शिरकत की।

वृक्ष पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ हमें शुद्ध प्राणवायु देते हैं

मनोहरपुर। वात्सल्य शिक्षा निकेतन माध्यमिक विद्यालय बोल्यावाला, अचरोल मे वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ जिसमे पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ वात्सल्य के सीईओ डॉ. हितेश गुप्ता एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रहलाद सिंह सराधना के करकमलों द्वारा वृक्षारोपण कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के बच्चों एवं स्टाफ ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए पीपल, बरगद, नीम, खेजड़ी, आम, जामुन एवं अमरूद सहित विभिन्न प्रजातियों के 200 पौधे लगाए। इस अवसर पर वात्सल्य के सीईओ डॉ. हितेश गुप्ता द्वारा बच्चों को जल एवं वृक्षों के महत्व के बारे में बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनका संरक्षण करने तथा ऐसे जनहित के कार्यों में हमेशा बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य प्रहलाद सिंह सराधना ने बच्चों को अपने घर एवं आसपास पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित करते हुए बताया कि वृक्ष पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ हमें शुद्ध प्राणवायु (ऑक्सीजन) प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी एक पौधे को अपना दायित्व मानकर उसकी नियमित देखभाल करे। आज लगाया गया पौधा कल की शुद्ध हवा, हरियाली और सुरक्षित भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बनेगा। कार्यक्रम के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

फॉक्सोसो फियोरी जयपुर ने पेश किए आकर्षक वेडिंग पैकेज, अब सपनों की शादी होगी और भी यादगार

जयपुर। फॉक्सोसो फियोरी जयपुर (Fo&oso Hotels and Resorts) ने विवाह समारोहों को भव्य, यादगार और तनावमुक्त बनाने के उद्देश्य से अपने विशेष वेडिंग पैकेज लॉन्च किए हैं। 100 से 500 मेहमानों तक के लिए तैयार किए गए ये पैकेज आधुनिक सुविधाओं, शानदार आतिथ्य और बेहतरीन व्यवस्थाओं का अनूठा संगम हैं। अजमेर रोड स्थित फॉक्सोसो फियोरी जयपुर अपने विशाल बैंक्वेट हॉल, आरामदायक आवास, आकर्षक सजावट, स्वादिष्ट शुद्ध शाकाहारी व्यंजनों और अनुभवी इवेंट टीम के साथ हर शादी को एक यादगार अनुभव में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। पैकेज में वेडिंग कपल के लिए रूम, स्टेज एवं बैकड्रॉप, मंडप एवं हवन लाइटिंग, वेडिंग गेट डेकोरेशन, वीआईपी फ्लोरल अरेंजमेंट, विशेष वेडिंग मेन्यू सहित कई आकर्षक सुविधाएं शामिल हैं। शान सिद्दीकी, जनरल मैनेजर, फॉक्सोसो फियोरी जयपुर (Fo&oso Hotels and Resorts) ने कहा-हर शादी केवल एक समारोह नहीं, बल्कि जीवन की सबसे खूबसूरत याद होती है। फॉक्सोसो फियोरी जयपुर में हमारा उद्देश्य प्रत्येक परिवार को उत्कृष्ट आतिथ्य, शानदार व्यवस्थाएं और व्यक्तिगत सेवाएं प्रदान करना है, ताकि उनके जीवन का यह विशेष अवसर हमेशा के लिए यादगार बन जाए। हमारी अनुभवी टीम हर आयोजन को पूर्णता के साथ सफल बनाने के लिए समर्पित है। फॉक्सोसो फियोरी जयपुर अपने उत्कृष्ट आतिथ्य, उच्च गुणवत्ता की सेवाओं और किफायती वेडिंग पैकेजों के साथ जयपुर के प्रमुख वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में अपनी पहचान को और मजबूत कर रहा है।

वांगचुक को इलाज के लिए उठाना गलत नहीं: हाईकोर्ट

सरकार-पुलिस से 3 दिन में जवाब मांगा, अंतरिम आदेश नहीं दिया, अगली सुनवाई गुरुवार को

नई दिल्ली। दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- स्वास्थ्य बिगड़ने और डिवीजन बेंच के आदेश के कारण उन्हें सरकारी अस्पताल ले जाया गया। सरकार की इस कार्रवाई को मनमाना नहीं कहा जा सकता। वांगचुक को वहीं दवाएं दी जा रहीं, जिसमें उनकी रजामंदी है। कोर्ट ने केंद्र और दिल्ली सरकार के साथ पुलिस को 3 दिन में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया। दरअसल सोनम की पत्नी गीतांजलि ने वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से प्राइवेट हॉस्पिटल शिफ्ट करने की मांग की थी। मामले में अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। दिल्ली पुलिस शनिवार सुबह वांगचुक को जंतर-मंतर से उठाकर सफदरजंग अस्पताल ले गई थी। अस्पताल में भी वांगचुक की भूख हड़ताल जारी है। सीजेपी और वांगचुक 28 जून से नीट पेपर लीक मामले में जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के समर्थन में आमरण अनशन पर हैं।

वांगचुक को उठाने के लिए देर रात 1:30 बजे आदेश मिला था

दिल्ली पुलिस के आयुक्त अनुराग कुमार के पद संभालने के 24 घंटे में वांगचुक को धरना स्थल से उठवाकर अस्पताल पहुंचा दिया गया। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार रात 1:30 बजे इसके निर्देश मिले। फिर नई दिल्ली जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने मंदिर मार्ग थाने में रणनीति बनाई। एक मिनट में बिना टकराव के वांगचुक को कैसे एम्बुलेंस तक ले जाएं, इसकी रिहर्सल की। जैमर लगाने पर भी चर्चा हुई, ताकि कार्रवाई के वीडियो न फैलें। सुबह 5 बजे अधिकारी जंतर-मंतर पहुंचें। वहां अंतिम ब्रीफिंग दी। फिर सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी सफेद चादरें लेकर मंच पर चढ़ गए। कार्रवाई की वीडियोग्राफी से बचने के लिए चादरों का इस्तेमाल किया गया।

संसद मार्च पर दिल्ली पुलिस बोली- 20 जुलाई के प्रदर्शन की नहीं दी अनुमति

दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर स्पष्टीकरण जारी किया है। पुलिस ने कहा है कि सीजेपी की ओर से प्रस्तावित किसी भी विरोध मार्च या जुलूस के लिए न तो अनुमति मांगी गई है और न ही कोई अनुमति दी गई है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से 20 जुलाई को संसद की ओर मार्च निकाले जाने की खबरें सामने आई हैं। इसे देखते हुए यह स्पष्ट किया जा रहा है कि ऐसे किसी कार्यक्रम को मंजूरी नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार, संबंधित क्षेत्र में **BNSS** की धारा 163 (पूर्व में **CrPC** की धारा 144) के तहत निषेधाज्ञा पहले से लागू है। ऐसे में बिना अनुमति किसी भी तरह के प्रदर्शन या जुलूस की इजाजत नहीं होगी। दिल्ली पुलिस ने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने और लागू प्रतिबंधों का पालन करने की अपील की है।

वांगचुक की पत्नी का आरोप- डॉक्टर्स हमें हेल्थ रिपोर्ट नहीं दे रहे

सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो का कहना है- सफदरजंग अस्पताल के डॉक्टर हमें नियमित स्वास्थ्य रिपोर्ट नहीं दे रहे हैं।

सिसोदिया ने कहा- सफेद चादर वाले सिपाही शिक्षा मंत्रालय कब जाएंगे

आम आदमी पार्टी ने 𝕏 पर मनीष सिसोदिया का एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें पूछा है, प्रधानमंत्री जी, 'सफेद चादर' वाले सिपाही जंतर-मंतर तो भेज दिए, शिक्षा मंत्रालय में उन्हें कब भेजेंगे?

जंतर-मंतर पहुंचे मनीष सिसोदिया बोले- प्रधान को हटाने के लिए एकजुट हों

दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को सभी राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नीट पेपर लीक मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शन में शामिल हों। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा में सुधार के लिए लगातार प्रयासों की जरूरत है। सिसोदिया ने कहा, प्रधानमंत्री को उस व्यक्ति को 2 मिनट के भीतर सस्पेंड कर देना चाहिए था जो शिक्षा मंत्रालय नहीं चला पा रहा है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पा रहे हैं, जिससे देश के युवा नाराज़ हैं। प्रदर्शनकारी किसी पार्टी के समर्थक नहीं, बल्कि अपने बच्चों और इस देश के समर्थक हैं।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक, 40 पार्टियां शामिल हुईं

राज्यसभा में अमित शाह पेश करेंगे वंदे मातरम से जुड़ा बिल, चर्चा के लिए 4 घंटे तय

नई दिल्ली। मानूसन सत्र से एक दिन पहले रविवार को संसद भवन के एनेक्सी बिल्डिंग में सर्वदलीय बैठक हुई। 3 घंटे चली मीटिंग की अध्यक्षता राजनाथ सिंह ने की। मीटिंग में कांग्रेस, सपा, टीएमसी, DMK सहित 40 दलों के 58 नेता शामिल हुए। हालांकि बैठक के बीच विपक्ष ने सांकेतिक वॉकआउट किया। विपक्ष इस बात से नाराज था कि सरकार ने TMC के बागी 20 सांसदों के गुट को बैठक में क्यों बुलाया, जबकि स्पीकर ओम बिरला ने उनके गुट को अभी तक मान्यता नहीं दी है। ऑल पार्टी मीटिंग के बाद लोकसभा बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग हुई। इसमें बिलों पर चर्चा के लिए समय तय किया गया। किरेन रिजिजू ने बताया कि BAC की बैठक के मुताबिक FCRA संशोधन बिल पर 4 घंटे चर्चा होगी। इसके अलावा आयकर संशोधन बिल के लिए 4 घंटे, जजों की संख्या से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे, जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रेशन बिल के लिए 4 घंटे, वंदेमातरम से जुड़े बिल के लिए 4 घंटे और MSME बिल पर चर्चा के लिए 5 घंटे तय किए गए हैं। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान 19 बैठकें होंगी। सोमवार को अमित शाह राज्यसभा में वंदे मातरम से जुड़ा बिल पेश करेंगे। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने कहा कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, जेएमएम, आम आदमी पार्टी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, वामपंथी दलों और शिवसेना (यूबीटी) समेत पूरे विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का वॉकआउट किया है। उन्होंने कहा कि टेबल ऑफिस की लिस्ट में अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सदस्य संख्या 28 दिखाई गई है, जबकि एनसीपीआई नाम की एक गैर-मान्यता प्राप्त पार्टी के 20 बागी सांसदों के विलय को स्पीकर ने मंजूरी नहीं दी है और उनकी अयोग्यता की याचिकाएं अभी लंबित हैं।

पीवी सिंधु जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनीं

2 साल बाद कोई टाइटल जीता, यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया

टोक्यो। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाडी पीवी सिंधु ने जापान ओपन सुपर-750 बैडमिंटन टूर्नामेंट जीत लिया है। वे यह टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय बनी हैं। 31 साल की सिंधु ने रविवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में जापान की अकाने यामागुची को 21-17, 21-17 से हराया। यह मैच 50 मिनट तक चला। सिंधु 4 साल बाद यामागुची को किसी फुल मैच में हरा सकी हैं। उन्हें पिछली जीत थाईलैंड ओपन में 2022 में मिली थी। पिछले साल मलेशिया ओपन में यामागुची रिटायर हर्ट हो गई थीं। सिंधु ने 2 साल बाद कोई खिताब जीता है। उन्होंने 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीता था। वे 2022 में सिंगापुर ओपन सुपर 500 में चैंपियन बनी थीं। यह सिंधु के करियर का पहला सुपर-750 खिताब है। 2019 वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतने के बाद यह उनका सबसे बड़ा इंटरनेशनल खिताब है।

बिहार में 40 लोगों से भरी नाव नदी में पलटी

कब्रिस्तान से लौट रहे थे; लोग बोले- 15 की क्षमता थी, नाव वाले ने जबरदस्ती बैठाया

सीतामढ़ी। नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद बिहार में कोसी, बागमती समेत कई नदियां उफान पर हैं। इसी बीच रविवार को सीतामढ़ी के रुन्नीसैदपुर स्थित बागमती नदी में 40 लोगों से भरी एक नाव पलट गई। नाव पलटते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे के बाद करीब 1 घंटे तक दहशत का माहौल था। हालांकि, स्थानीय लोगों ने नदी में छलांग लगाकर सभी यात्रियों को बचा लिया। कई लोग खुद तैरकर सुरक्षित बाहर निकल आए। प्रत्यक्षदर्शी अमित ने बताया, नाव चालक हम लोगों से भी कह रहा था कि आ जाइए, नदी पार करा देंगे। दूसरी बार में देर हो जाएगी, जल्दी पहुंच जाएंगे, लेकिन हमने नाव पर ज्यादा भीड़ देखकर मना कर दिया। थोड़ी ही देर बाद नाव पलटने की जानकारी मिली।

तेज धार में नाव डगमगाई, फिर पलट गई

बागमती नदी में नाव पलटने का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि एक नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार हैं। नदी की तेज धारा के बीच नाव पहले डगमगाती है और फिर अचानक पलट जाती है। नाव पलटते ही सभी यात्री नदी में गिर जाते हैं। वहीं, नदी के दूसरे किनारे पर

खड़े लोग मदद के लिए चिल्लाते और बचाव की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं।

नाव की क्षमता 15-20 थी, 40 लोग बैठ गए

ग्रामीण इरफान अंसारी ने बताया कि खड़का गांव निवासी मो. फरहान का निधन हो गया था। उन्हें सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए शव को नदी पार स्थित कब्रिस्तान ले जाया गया। मृतक के परिजन, शुभचिंतक और ग्रामीणों सहित 40 से अधिक लोग एक ही नाव पर सवार होकर कब्रिस्तान पहुंचे थे, क्योंकि कब्रिस्तान खड़का घाट के उस पार स्थित है। सुपुर्द-ए-खाक की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी लोग उसी नाव से वापस लौट रहे थे। इसी दौरान नाव पर क्षमता से अधिक लोग सवार होने के कारण उसका संतुलन बिगड़ गया और बीच धारा में नाव पलट गई। लोगों के मुताबिक, नाव की क्षमता सिर्फ 15 से 20 लोगों की थी।

सुरक्षित और पर्याप्त क्षमता वाली नावें उपलब्ध नहीं

सुरेश ने बताया, खड़का घाट से हर दिन बड़ी संख्या में लोग नाव के सहारे नदी पार करते हैं। दूर-दराज के गांव है, इसलिए प्रशासन का भी कोई ध्यान बात नहीं है। ना कोई पुल बनाया है, ना कोई ढंग की नाव चलवाई है। यहां जो नाव है, छोटी नाव है और उस पर नाव वाले मनमाना किराया लेकर जरूरत से ज्यादा लोगों को बैठाकर आवागमन कराते हैं।

सीतामढ़ी में बागमती उफान पर, प्रशासन अलर्ट

नेपाल में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण बागमती नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नदी कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे सीतामढ़ी और शिवहर जिले के तटवर्ती गांवों के लोगों की चिंता बढ़ गई है। सीतामढ़ी के डीएम रिची पांडे ने संभावित बाढ़ को देखते हुए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और जिला प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रखा है।

कोसी समेत कई नदियां उफान पर

नेपाल में लगातार हो रही बारिश के बाद कोसी बराज पर पानी का दबाव बढ़ गया है। रविवार शाम 4 बजे बराज से 2,09,840 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जबकि डाउनस्ट्रीम डिस्चार्ज 2,06,440 क्यूसेक दर्ज किया गया। वहीं, छ्त्रा से 1,56,000 क्यूसेक पानी का प्रवाह हो रहा है।

जम्मू के पुंछ-किश्तवाड़ में बादल फटे, 11 मौतें

मलबे से 2 साल के मासूम का शव निकाला, नगालैंड की लैंडस्लाइड में 8 की मौत

नई दिल्ली/जयपुर/भोपाल/पटना। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड में शनिवार रात बादल फट गए। बाड-लैंडस्लाइड में अब तक 11 लोगों की मौत हो गई है। पुंछ के सुरनकोट में लैंडस्लाइड से एक मकान मलबे में दब गया। उस वक्त घर में 8 लोग थे। इनमें 2 साल के बच्चे समेत 5 लोगों के शव बरामद किए गए। किश्तवाड़ के सुर्नू इलाके में बादल फटने से लोगों के घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा। राजौरी में भी भारी बारिश के बाद धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ गया। करीब 200 से 250 गाड़ियां बह गईं। उत्तराखंड में शनिवार को लैंडस्लाइड के बाद केदारनाथ यात्रा के रूट पर घोड़े- खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं और कैलाश-मानसरोवर यात्रियों का एक जत्था भी रुक गया। इधर, नगालैंड के मोन इलाके में हुई लैंडस्लाइड के बाद एनडीआरएफ की टीमों ने मलबे से 8 शव निकाल लिए हैं, जबकि कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका है।

अरुणाचल में बाड से डेढ़ लाख प्रभावित, केदारनाथ रूट पर लैंडस्लाइड

अरुणाचल में बाढ़ और भूस्खलन के इस दौर में अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, 29 लोग घायल हुए हैं और 1,49,257 लोग प्रभावित हुए हैं। मानसून की मार से कुल 26 जिले, 328 सर्कल और 576 गांव प्रभावित हुए हैं। इधर, पिथौरागढ़ में, कैलाश-मानसरोवर यात्रा का चौथा जत्था, जिसमें 50 तीर्थयात्री शामिल हैं धारचूला बेस कैंप में रोक दिया गया है। बेस कैंप के इंचार्ज धन सिंह बिष्ट ने बताया कि गरबाधार में भूस्खलन के कारण गुंजी जाने वाला रास्ता बंद हो गया है।

जम्मू-कश्मीर: सलाल बांध के कई गेट खोले गए

जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश से चिनाब नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण रियासी जिले के सलाल बांध के कई स्पिलवे गेट खोल दिए गए हैं। जलाशय के जलस्तर को नियंत्रित करने और जलविद्युत परियोजना के सुरक्षित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पानी को नियंत्रित तरीके से छोड़ा जा रहा है। अधिकारी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहे हैं और जनता से सतर्क रहने और आधिकारिक सलाह का पालन करने की अपील की है।

उत्तराखंड में बिजली गिरने से 2 की मौत, भूस्खलन से 84 सड़कें बंद

उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश के बीच हरिद्वार जिले में बिजली गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। राज्यभर में भूस्खलन के कारण 84 सड़कें बंद हो गई हैं, जिनमें दो राष्ट्रीय राजमार्ग भी शामिल हैं। मौसम विभाग ने कई जिलों के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। 20 जुलाई के लिए देहरादून, हरिद्वार और टिहरी जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि नैनीताल, उत्तरकाशी और पौड़ी में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

ईरान बोला- अमेरिका का एमक्यू-9 ड्रोन मार गिराया

वीडियो भी जारी किया, यूएस ने लगातार 8वीं रात तेहरान पर बम बरसाए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने खुजेस्तान प्रांत के अहवाज में अमेरिकी एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को इंटरसेप्ट कर मार

गिराया। ईरानी सरकारी मीडिया ने ड्रोन गिराने का वीडियो भी जारी किया है। IRGC के मुताबिक, उसने अपने नए डिफेंस सिस्टम से ड्रोन को निशाना बनाया। हालांकि अमेरिका ने अब तक न तो ड्रोन गिराए जाने के दावे की पुष्टि की है और न ही जारी वीडियो पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। एमक्यू-9 रीपर अमेरिकी सेना का अत्याधुनिक मानव रहित ड्रोन है, जिसका इस्तेमाल निगरानी, खुफिया जानकारी जुटाने और सटीक हवाई हमलों के लिए किया जाता है। दूसरी ओर, अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने लगातार आठवीं रात ईरान के खिलाफ हवाई हमले किए। इससे पहले अमेरिका ने जानकारी दी थी कि जॉर्डन में ईरान के मिसाइल हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई, जबकि एक सैनिक लापता है।

1. अमेरिका के साथ समझौते से पीछे हटा ईरान: ईरान ने अमेरिका के साथ एक महीने पहले हुए समझौते से पीछे हटने का ऐलान किया है। ईरान के उप विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका ने खुद समझौते का उल्लंघन किया, इसलिए वे भी उसकी शर्तों का पालन नहीं करेंगे। **2. अमेरिकी हमलों में 50 लोगों की मौत, 500 घायल:** ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने दावा किया है कि 27 जून से 18 जुलाई के बीच अमेरिकी हवाई हमलों में 50 लोगों की मौत हुई है, जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

30 साल बाद घर लौटेगा जवान का शव: माउंट एवरेस्ट पर तूफान में फंसे थे लद्दाख के दोरजे, 26 हजार फीट ऊपर गुफा में शरीर

लेह। माउंट एवरेस्ट की बर्फीली चोटियों पर 26,247 फीट ऊंचे डेथ जोन में पिछले 30 सालों से एक पर्वतारोही का शरीर बर्फ में जमा है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उसे ग्रीन बूट्स के नाम से जानती रही। सालों तक इसे आईटीबीपी के हेड कांस्टेबल शेवांग पाल्जोर का शव माना गया, लेकिन हाल में हुए डीएनए टेस्ट से पुष्टि हुई कि यह लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर है। अब 30 साल इंतजार के बाद इस साल अक्टूबर तक लद्दाख में दोरजे के परिवार को उनका शव सौंपा जाएगा। दोरजे मोरुप, शेवांग पाल्जोर और सूबेदार शेवांग समनला 1996 में तिब्बत के उत्तरी मार्ग से एवरेस्ट फतह करने निकली पहली भारतीय तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। 10 मई 1996 को शिखर के पास तीनों भीषण बर्फीले तूफान में फंस गए थे। यह अभियान बाद में 1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर के नाम से जाना गया, जिसमें उस सीजन में 12 पर्वतारोहियों की मौत हुई थी।

75 वर्षीय पत्नी बोलीं- उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी

दोरजे के घर पहुंचकर उनकी पत्नी कोनचोक यांगस्किट से मुलाकात की। 75 वर्षीय कोनचोक अब सुन नहीं सकतीं। वह पति की पेंशन पर गुजर-बसर करती हैं। जब से बेटे फुंतसोग दोरजे ने पिता का शव लाने वाले मिशन की सूचना दी, तब से वह रो रही हैं। उन्होंने बेटे को कागज पर लिखकर दिया है कि उनकी आखिरी इच्छा एक बार पति को देखने की है। उन्होंने लिखा, उन्हें देखकर ही आखिरी सांस लूंगी। दोरजे के बेटे फुंतसोग भारतीय सेना में हैं। उन्होंने बताया कि आईटीबीपी से उन्हें अब तक मिशन की पूरी जानकारी नहीं मिली है। मां ने पिता के इंतजार में पूरी जिंदगी रो-रोकर बिता दी। अब उनकी आंखों में उम्मीद नजर आ रही है।

एवरेस्ट चढ़ने वालों के लिए लैंडमार्क बन गया था ग्रीन बूट्स

1996 में ब्रिटिश पर्वतारोही और फिल्ममेकर मैट डिकिन्सन ने पहली बार बर्फ में फंसे दोरजे मोरुप के शव का वीडियो रिकॉर्ड किया था। बाद में यह फुटेज समिट फीवर डॉक्यूमेंट्री में भी दिखाई गई। पैरों में पहने हरे रंग के जूतों के कारण इस शव को ग्रीन बूट्स नाम दिया गया।। यह शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग पर एक छोटी गुफा में पड़ा था जो ग्रीन बूट्स गुफा नाम से मशहूर हुआ। शिखर पर जाने वाले लगभग सभी पर्वतारोही इसी रास्ते से होकर गुजरते थे। उनके लिए यह रास्ते की पहचान (लैंडमार्क) बन गया था।

30 साल तक शव क्यों नहीं निकाला जा सका

दोरजे का शव जिस जगह है, वह 8 हजार मीटर (करीब 26,247 फीट) से ऊपर का डेथ जोन है। यहां समुद्र तल की तुलना में सिर्फ करीब 33त्न ऑक्सीजन होती है। इतनी ऊंचाई पर शरीर तेजी से जवाब देने लगता है। कोशिकाएं मरने लगती हैं। यहां हेलिकॉप्टर भी नहीं पहुंच सकते। इसलिए यहां से शव वापस लाना दुनिया के सबसे मुश्किल अभियानों में गिना जाता है। यही वजह है कि एवरेस्ट पर मारे गए 340 से ज्यादा पर्वतारोहियों में से अधिकांश के शव आज भी वहीं पड़े हैं।

सिख प्रचारक बोले- खालिस्तान का सीएम किसे बनाओगे

बिना प्लानिंग शोर मचाते हैं, मिल गया तो जुत्तियोजुत्ती होंगे, VIDEO सामने आया

जालंधर। पंजाब के सिख प्रचारक सर्बजीत सिंह धुंदा ने खालिस्तान की बात करने वालों को उनकी असलियत दिखाई है। खालिस्तान को लेकर उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें धुंदा ने कहा कि खालिस्तान की मांग करने वालों के पास कोई रोड मैप नहीं है। खालिस्तान की मांग करने वालों को तो यह भी पता नहीं है कि इसे बनाना कहां है? धुंदा ने कहा- उन्हें खालिस्तान कभी नहीं मिलेगा। अगर एक फीसदी मान भी लो कि खालिस्तान बन भी गया तो आपका सीएम कौन होगा? खालिस्तान बने बिना हम कुछ हद तक एकजुट तो हैं। अगर बन गया तो जुत्तमजुत्ता हो जाएंगे। ऐसे राज में फिर कौन रहेगा? ष्टरू को लेकर नानसरिए कहेंगे कि वह हमारा हो, टकसाली कहेंगे कि हमारा हो, मिशनरी कहेंगे कि हमारा हो। असली क्लेश तब होगा जब खजाना मंत्री पर बात आएगी। निहंग संगठन कहेंगे कि खजाना मंत्री हमारा लगाओ। खजाने की चाभी जब उनके पास होगी तो बरछा पकड कर खडे हो जाएंगे। हिसाब-किताब कौन मांगेगाड मांग भी लिया तो कहेंगे कि खजाना तो रात का ही खत्म हो गया। हमने सबकुछ रात का घोडों को छका दिया (खिला दिया)।

खालिस्तान पर ये बातें बोले धुंदा

पत्नी चाय नहीं देती, बात खालिस्तान लेने की करते हैं: सामने आए वीडियो में धुंदा कहते हैं- खालिस्तानियों का हाल ये है कि 10 मरले का घर है। घरवाली आकर चाय नहीं बनाती और ये कहते हैं कि हम तो खालिस्तान बनाएंगे। भाई, तू घर में चाय बना कर दिखा दे। खालिस्तान बाद में बना लेना। **खालिस्तान मिल गया तो सीएम किसे बनाओगे:** धुंदा ने कहा- खालिस्तान की बात हम सभी करते हैं। मान लो अगर सच में मिल गया तो। वहां रहना कैसे है हमेंड हमें तो आपस में ही जुत्तमजुत्ता हो जाना है। किसी के बस में रहना कहां हैंड बाद में हमें तंग होना है। मान लो अगर आज हमें घोषित कर दें कि खालिस्तान तुम्हारा, तो मुख्यमंत्री कौन सा बनाना है।

देहरादून के सात मोड़ में 4000 पेड़ों की कटाई रुकी

सीएम धामी बोले- सभी पक्षों से सहमति बनने तक नहीं होगा कटान

देहरादून। देहरादून-ऋषिकेश फोर/सिक्स लेन परियोजना के तहत सात मोड़ के जंगल में प्रस्तावित 4369 पेड़ों की कटाई पर फिलहाल रोक लगा दी गई है। हालांकि अभी तक 350 से ज्यादा पेड़ काटे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्थानीय लोगों, पर्यावरणविदों और अन्य हितधारकों की चिंताओं को गंभीरता से लिया गया है। सभी पक्षों के बीच संतोषजनक सहमति और विश्वास का माहौल बनने तक पेड़ों का कटान नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह फैसला ऐसे समय आया है, जब सात मोड़ में पिछले कई दिनों से पेड़ कटान के विरोध में आंदोलन चल रहा है। शुक्रवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के देहरादून दौरे के दौरान भी प्रदर्शनकारियों ने उनका काफिला रोककर इस मुद्दे पर हस्तक्षेप की मांग की थी।

प्रमुख सचिव को दोबारा बातचीत की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, पर्यावरण विशेषज्ञों और अन्य हितधारकों के साथ फिर से विस्तृत संवाद करें। उनका कहना है कि सभी पक्षों की बात सुनने के बाद ही आगे का रास्ता तय किया जाएगा। सीएम ने कहा कि उत्तराखंड के विकास के लिए आधारभूत ढांचा जरूरी है, लेकिन इसके लिए जनभावनाओं, पर्यावरण और स्थानीय हितों की अनदेखी नहीं की जा सकती। सरकार विकास और संरक्षण के बीच संतुलन बनाने की नीति पर काम करेगी। धामी ने बताया कि परियोजना में वन्यजीव संरक्षण के लिए करीब 3.5 किलोमीटर लंबा हाथी अंडरपास बनाया जाएगा। इसके अलावा छोटे वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन के लिए विशेष कल्वर्ट भी प्रस्तावित हैं, ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष और सड़क दुर्घटनाओं में वन्यजीवों की मौत की घटनाएं कम हों।

भागलपुर में मिला कोरोना संक्रमित मरीज: 10 दिनों से फीवर, टेस्ट कराने पर निकला कोविड, आंध्र में भी मिला था केस

भागलपुर। भागलपुर में कोविड-19 से संक्रमित एक मरीज मिला है। पिछले 10 दिनों से बुखार से पीड़ित 65 साल के बुजुर्ग की RT-PCR जांच में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई है। संक्रमित मरीज मूल रूप से बांका जिले का रहने वाला है। अभी भागलपुर के लालूचक इलाके में रहता है। परिजनों के अनुसार, बुजुर्ग पिछले 10 दिनों से सर्दी, खांसी और तेज बुखार से पीड़ित थे। उनका तापमान 104 डिग्री तक बना हुआ था और दवा लेने के बावजूद बुखार नहीं उतर रहा था। इसके बाद उन्हें एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां RT-PCR जांच कराने पर उनकी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई। इसके बाद डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें जवाहरलाल नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल मरीज को अस्पताल के डी-ब्लॉक स्थित IC में कोविड प्रोटोकॉल के तहत भर्ती कराया गया है। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, मरीज की स्थिति स्थिर है। उन्हें फिलहाल ऑक्सीजन या वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता नहीं पड़ी है।

बेटी बोली- तबीयत लगातार बिगड़ रही थी, जिसके बाद RT-PCR टेस्ट कराया गया

मरीज की बेटी ने बताया, मेरे पिता को पिछले कई दिनों से सर्दी, खांसी और तेज बुखार था। उन्हें इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। भर्ती होने के चार-पांच दिन बाद भी उनकी तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ, जिसके

बाद **RT-PCR** जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट में कोरोना संक्रमण की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि कोरोना पॉजिटिव आने के बाद निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल रेफर कर दिया। यहां उन्हें आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

दुबारा कराया जाएगा RT-PCR टेस्ट

जवाहर लाल नेहरू अस्पताल के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. राजकमल चौधरी ने बताया कि निजी अस्पताल से एक कोरोना संक्रमित मरीज को रेफर कर भर्ती कराया गया है। फिलहाल उसे आईसीयू में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में मरीज का दोबारा **RT-PCR** टेस्ट कराया जाएगा। फिलहाल मरीज को ऑक्सीजन या वेंटिलेटर सपोर्ट की आवश्यकता नहीं है। डॉ. चौधरी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि घबराने या दहशत फैलाने की जरूरत नहीं है। कोरोना संक्रमण के कुछ मामले समय-समय पर सामने आ सकते हैं। ऐसे में लोगों को घबराने के बजाय सतर्क रहने और आवश्यक सावधानियां बरतने की जरूरत है।

10 दिन पहले आंध्र प्रदेश में कोविड मरीज की हुई थी मौत

आंध्र प्रदेश के कडप्पा में 10 दिन पहले 46 साल के व्यक्ति की कोविड-19 से मौत हो गई। उसे पिछले महीने वेल्लोर के **CMC** अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उसका कोविड टेस्ट पॉजिटिव आया था। 4 दिन इलाज के बाद उसने दम तोड़ दिया। हेल्थ ऑफिसर ने बताया था कि मरीज के फेफड़े खराब हो गए थे। मरीज को कंटेनमेंट जोन में रखा गया था। उसके संपर्क में आए लोगों की ट्रेसिंग भी की जा रही है। इलाके में सैनिटाइजेशन भी शुरू कर दिया गया है।

भारत में कोरोना से 47 लाख मौतों का अनुमान

भारत में कोविड से आधिकारिक तौर पर 2022 के अंत तक करीब 5.3 लाख मौतें दर्ज की गईं थीं। हालांकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया कि महामारी से भारत में लगभग 47 लाख मौतें हुईं। वहीं दुनियाभर में 2022 के अंत तक करीब 66-67 लाख आधिकारिक मौतें दर्ज की गई थीं।

रायपुर के बिजनेसमैन महेंद्र गोयनका गिरफ्तार

एमपी के भाजपा विधायक की कंपनियों पर कब्जा करने के आरोप, 1000 करोड़ का फ्रॉड

दिल्ली/भोपाल। मध्यप्रदेश के भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों में करीब 1000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी के मामले में रायपुर के बिजनेसमैन महेंद्र गोयनका को गिरफ्तार कर लिया गया है। कोलकाता पुलिस ने उन्हें दिल्ली से पकड़ा और अदालत में पेश करने के बाद 10 दिन की रिमांड पर लिया है। यह मामला कटनी के विजयराघवगढ़ से भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनियों से जुड़ा है। आरोप है कि रायपुर निवासी महेंद्र गोयनका ने फर्जी दस्तावेजों और हस्ताक्षरों के जरिए पाठक परिवार की कई कंपनियों पर कब्जा हासिल करने की कोशिश की। करीब 1000 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की।

विधायक की कंपनी में प्रबंधन से जुड़े थे गोयनका

पुलिस के मुताबिक, गोयनका पहले पाठक परिवार की कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में प्रबंधन से जुड़े पद पर कार्यरत था। आरोप है कि इसी दौरान उसने वित्तीय अनियमितताएं कीं और कंपनी का माल बेचकर बड़े पैमाने पर गबन किया। कोलकाता पुलिस ने इस मामले में आईपीसी की धारा 420, 120-बी, 467, 468 और 471 के तहत एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई की है।

ऐसे शुरू हुआ 1000 करोड़ की धोखाधड़ी का मामला

भाजपा विधायक संजय पाठक के परिवार की कंपनी यूरो प्रतीक इस्पात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का मुख्यालय कोलकाता में है। महेंद्र गोयनका इसी कंपनी में प्रबंधन के अहम पद पर था। आरोप है कि उसने अपनी पत्नी के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेजों और हस्ताक्षरों के जरिए कंपनी के दो डायरेक्टर्स को हटवाकर उनकी जगह चार अन्य लोगों को डायरेक्टर बनवा दिया और कंपनी के नियंत्रण पर कब्जा करने की कोशिश की। इस मामले में 2024 में कोलकाता में एफआईआर दर्ज हुई। वहीं, कंपनी से हटाए गए कटनी निवासी डायरेक्टर्स ने कटनी के कोतवाली और माधवनगर थाने में भी जालसाजी और धोखाधड़ी के मामले दर्ज कराए। मामला लोअर कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, लेकिन आरोपियों को राहत नहीं मिली। इसके बाद जांच एजेंसियों ने कार्रवाई तेज की और अब कोलकाता पुलिस ने महेंद्र गोयनका को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है।

बिजनेसमैन पर कटनी में भी दर्ज हैं केस

महेंद्र गोयनका और उसके सहयोगियों के खिलाफ मध्य प्रदेश के कटनी में भी जालसाजी के दो मामले दर्ज हैं। सहयोगी निदेशकों की अग्रिम जमानत याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट से खारिज हो चुकी हैं। पुलिस के अनुसार, इनमें से कुछ आरोपी लंबे समय से फरार हैं।

NCLT ने भी की थीं सख्त टिप्पणियां

9 मई 2025 को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की मुंबई पीठ ने एक आदेश में महेंद्र गोयनका और उनकी पत्नी मीनू गोयनका से जुड़े वित्तीय गबन के आरोपों पर सख्त टिप्पणियां की थीं। इसके अलावा गोयनका की एक अन्य कंपनी निसर्ग इस्पात से जुड़े वित्तीय अनियमितताओं के मामले भी जांच के दायरे में रहे हैं।

जालंधर में डेढ़ मिनट में पीएम को बांधी शाही पगड़ी

मोदी ने सनप्रीत से कहा- पिछली बार से बेहतर बांधना, फिर शीशा देखकर मुस्कुराए

जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पंजाब दौरे के दौरान हरे रंग की पगड़ी जालंधर के सनप्रीत सिंह ने बांधी। सनप्रीत ने पीएम मोदी को तीसरी बार पगड़ी पहनाई है। 17 जुलाई को सनप्रीत को प्रधानमंत्री के लिए हरे रंग की सेमी पटियाला शाही पगड़ी सजाने की जिम्मेदारी दी गई थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने महज डेढ़ मिनट में प्रधानमंत्री की पगड़ी सजा दी। सनप्रीत के अनुसार, पगड़ी सजाते समय प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा था पिछली बार की तुलना में इस बार और बेहतर पगड़ी सजानी है। सनप्रीत ने बताया कि उनकी इच्छा थी कि वे प्रधानमंत्री से बातचीत करें, लेकिन पगड़ी सजाने पर पूरा ध्यान होने के कारण वे ज्यादा बात नहीं कर पाए। सनप्रीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री की पगड़ी सजाना उनके लिए गर्व भरा और एक यादगार अनुभव रहा। इस बीच सीएम भगवंत मान का पीएम को रिसीव करने का फोटो सामने आया है। इसमें सीएम के साथ हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा व अन्य नेता भी मौजदू थे। पगड़ी ले आए लेकिन फिफ्टी लाना भूल गए-सनप्रीत ने बताया कि एक दिन पहले केंद्रीय राज्य मंत्री रवनीत बिट्टू ने कार्यक्रम की जानकारी दी थी। उन्हें विशेष रूप से हरे रंग की पगड़ी लाने की मांग की गई थी। हालांकि, पुलिस वेरिफिकेशन और सुरक्षा प्रोटोकॉल की जल्दबाजी और हडबडी में वे पगड़ी के नीचे बांधी जाने वाली फिफ्टी (पटका) लाना भूल गए थे, जिसे समय रहते मौके पर ही मंगवा लिया गया। पिछली दो मुलाकातों में फिफ्टी नहीं बांधी गई थी, इसलिए इस बार उनके मन में इसे बांधने की विशेष इच्छा थी। पगड़ी बांधते समय सुरक्षाकर्मियों ने पकड़ा लड़-प्रधानमंत्री को इस बार 6 मीटर की सेमी पटियाला शाही पगड़ी बांधी गई। सनप्रीत के अनुसार पिछली बार की तुलना में इस पगड़ी का आकार तो वही था, लेकिन आखिरी लड़ (छोर) को मोरनी स्टाइल की जगह बिल्कुल सीधा और सिंपल रखा गया था, जो प्रधानमंत्री के चेहरे पर काफी अच्छा रहा था।

पीएम के सामने घबराहट भी थी: उन्होंने कहा कि पगड़ी बांधते समय सुरक्षाकर्मियों ने कपड़ा पकड़ने में मदद की और कम समय में पूरी तैयारी कर ली। प्रधानमंत्री के सामने होने के कारण उनके मन में थोड़ा डर और संकोच जरूर था कि पगड़ी कहीं ज्यादा टाइट न हो जाए और वे पूरी तरह सहज रहें। इसी वजह से सारा ध्यान सिर्फ पगड़ी पर ही केंद्रित रहा और डेड मिनट में ही उन्होंने पूरी पगड़ी बांधकर तैयार कर दी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।